

Question Paper (SET-4)

Subject: Hindi

Grade: 8

Question Code: Hindi8_58C_1,2,3,4,5,7

Topic: लाख की चूड़ियाँ

आँवला

हजारों वर्ष पूर्व च्यवन ऋषि ने च्यवनप्राश नामक एक मिश्रण (अवलेह) तैयार किया था, जो आँवले से बनाया गया था। च्यवनप्राश आज भी प्रसिद्ध है। भारत में त्रिफला का उपयोग भी प्राचीन काल से होता आ रहा है। यह दवा आँवला, बहेड़ा और हरड़ इन तीन फलों से बनती है। यह पेट और आँखों के रोगों को दूर करती है। इससे सिर धोने से बाल चिकने और मुलायम रहते हैं। आँवले के फल सूखे हुए भी लाभदायक रहते हैं। इसमें औषधीय गुणों की कमी नहीं होती। 'विटामिन-सी' की कमी से होने वाले 'स्कर्वी' जैसे रोग में यह बहुत लाभदायक है। ऐसे रोग में एक आँवला प्रतिदिन खाने से रोगी में 'विटामिन-सी' की कमी दूर हो जाती है और रोगी ठीक हो जाता है।



इसके अतिरिक्त आँवले के फूल, जड़, तना पत्तियाँ सभी का प्रयोग मानव जीवन में होता है। इसके बीजों का चूर्ण भी औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है।

आँवले के वृक्ष से चमड़ा, कपड़ा, और लकड़ी रंगने के लिए रंग निकाला जाता है। इसकी लकड़ी पानी में बहुत दिनों तक रहने पर भी गलती नहीं है। इसकी, लकड़ी कुँ के रहट की घिरी, नाव तथा फर्नीचर बनाने के काम आती है। इसकी पत्तियों से खाद बनाई जाती है जो इलायची की अच्छी पैदावार के लिए खेतों में डाली जाती है। इसकी पत्तियों में 'पोटाश' नामक पदार्थ मिलता है जो कृषि के लिए लाभदायक है।

आँवले के वृक्ष में इतने गुण होने के कारण ही यह हिंदू धर्म में प्रमुख स्थान रखता है। राम ने सीता और लक्ष्मण के साथ पंचवटी में जो पाँच वृक्ष लगाए थे, आँवला भी उनमें से एक था।

1 ▶ त्रिफला नामक आयुर्वेदिक दवा जिन तीन फलों से बनती है, वे हैं -

- A. दशमूल, पिपली, लौंग
- B. हरड़, लौंग, इलायची
- C. बहेड़ा, हरड़, तेजपत्ता
- D. आँवला, हरड़, बहेड़ा

2 ▶ त्रिफला _____ और _____ के रोगों को दूर करती है। रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित शब्द चुनें-

- A. पेट और आँख
- B. मुँह और पेट
- C. नाक और मुँह
- D. मुँह और आँख

3 ▶ 'विटामिन-सी' की कमी से कौन सा रोग हो सकता है ?

- A. रतौंधी
- B. बेरी-बेरी
- C. स्कर्वी
- D. पीलिया

4 ▶ आँवले का पूरा वृक्ष मानव जीवन के प्रयोग में आता है। इसके बीजों का प्रयोग किस काम में किया जाता है?

- A. रंग बनाने के लिए
- B. औषधि के लिए
- C. खाद बनाने के लिए
- D. सिर धोने के लिए

5 ▶ आँवले की पत्तियों से बनाई गई खाद किस फसल की पैदावार के लिए अच्छी होती है?

- A. कालीमिर्च
- B. लौंग
- C. शिकाकाई
- D. इलायची

7 ▶ आँवले के वृक्ष का महत्व अधिक क्यों है?

- A. इससे च्यवनप्राश बनता है।
- B. इसके बीजों में औषधीय गुण हैं।
- C. पंचवटी के 5 वृक्षों में से यह एक था।
- D. यह एक बहु-उपयोगी वृक्ष है।

Correct Answer : (Option – A, B, C, D)

1.D आंवला, हरड, बहेड़ा.

2.A पेट और आँख

3.C स्क्वी

4.B औषधि के लिए

5.D इलायची

7.D यह एक बहु-उपयोगी वृक्ष है

Question Paper (SET-4)

Subject: Hindi

Grade: 8

Question Code: Hindi8_58C_8,9,10,11,12,13

Topic: ध्वनि

श्यामल घन आओ

आओ रे आओ श्यामल घन आओ,
रिमझिम-रिमझिम झड़ी लगाओ।
अपना श्यामल स्नेह विपुल ले,
इस जीवन पर छा जाओ।
आओ शिखर चूम-चूम कर,
छाया से वन भूमि को भरकर।
आओ तुम अंबर आच्छादित कर,
आओ गहरे गर्जन स्वर से।

व्यथित हो उठता गहन नीप-वन,
पुलकाकुल फूलों से।
छलक-छलक आये कलरोदन,
नदी के कूलों से।
आओ रे आओ हृदय भरने वाले,
जलन प्यास की हरने वाले,
नयनों को शीतल करने वाले,
हृदय-समुद्र में समा जाओ।



स्रोत: कवि श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर - गीतांजलि पृष्ठ 43

8 प्रथम चार पंक्तियों में किन शब्दों से नाद (ध्वनि) सौन्दर्य बढ़ रहा है?

- A. आओ श्यामल घन आओ
- B. रिमझिम-रिमझिम झड़ी लगाओ
- C. श्यामल स्नेह विपुल ले
- D. इस जीवन पर छा जाओ

9 इस कविता में कवि 'घन' के माध्यम से किसकी ओर संकेत कर रहा है ?

- A. ईश्वर
- B. बरसात
- C. श्यामल
- D. बादल

10 'आच्छादित' शब्द का कविता के सन्दर्भ में क्या अर्थ है?

- A. सुंदर बनाकर
 - B. ढककर
 - C. अच्छा दिखाकर
 - D. उछल - कूदकर
-

11 अन्तिम पंक्ति में 'हृदय-समुद्र में' से कवि का क्या आशय है?

- A. समुद्र रूपी हृदय में
 - B. समुद्र के हृदय में
 - C. हृदय के समुद्र में
 - D. हृदय रूपी समुद्र में
-

12 'अपना श्यामल स्नेह, विपुल ले, इस जीवन पर छा जाओ' इस पंक्ति का सही अर्थ बताएँ।

- A. अपने गहरे, और बहुत सारे प्यार से, हमारा जीवन भर दो।
 - B. हे आसमान! अपना ढेर सारा प्यार सब पर बरसा दो।
 - C. अपने श्याम का प्यार लेकर हमारे जीवन में आजाओ।
 - D. ढेर सारे बादलों से हमारे जीवन में बारिश कर दो।
-

13 'हृदय' शब्द में 'हृ' में किस मात्रा का प्रयोग है?

- A. रेफ़
 - B. पदेन
 - C. रू
 - D. ऋ
-

Correct Answer : (Option - A, B, C, D)

8. B रिमझिम रिमझिम झड़ी लगाओ

9. D बादल

10. B ढककर

11. D हृदय रुपी समुद्र में

12. A अपने गहरे, और बहुत सारे प्यार से, हमारा जीवन भर दो

13. D ऋ

Question Paper (SET-4)

Subject: Hindi

Grade: 8

Question Code: Hindi8_58C_16,17,18,19,20,21

Topic: ध्वनि

इस कहानी को पढ़कर, प्रश्न संख्या 16 से 21 तक उत्तर दें-

गौतम बुद्ध की कहानी

जन्म, जीवन, मरण

गौतम बुद्ध एक क्षत्रिय राजकुमार थे। सिद्धार्थ उनका नाम था। उनकी माता का नाम महारानी माया था। प्राचीन ग्रंथों में उनके बारे में लिखा है कि वे पूर्ण चंद्रमा की तरह उल्लास के साथ पूजने योग्य थीं। पृथ्वी के समान दृढ़ और स्थिर निश्चयवाली थीं।

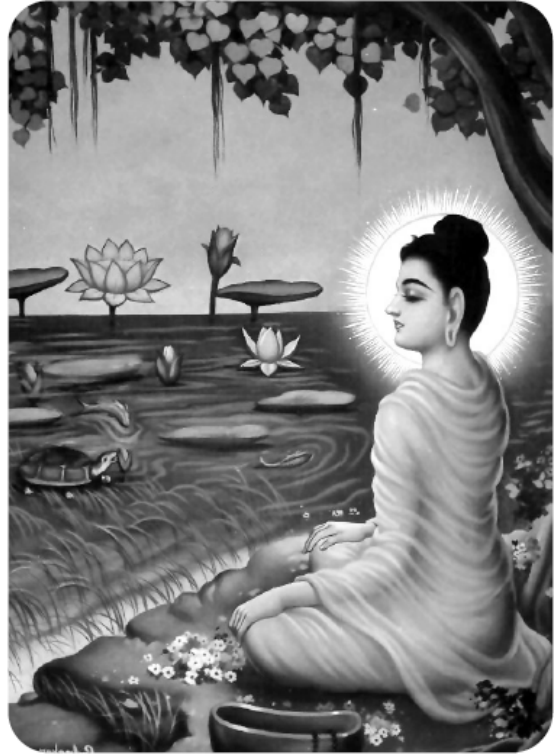
माता-पिता ने गौतम को हर प्रकार की सुख-सुविधाओं में रखा। उन्होंने यहाँ तक प्रयत्न किए कि दुःख-दर्द और रोग-शोक के किसी भी दृश्य पर उनकी दृष्टि न जाए। लेकिन यह संभव नहीं हो सका। कहा जाता है कि एक भिखारी, एक रोगी और एक मृतक उन्हें दिखाई दिए। इन दृश्यों का उन पर बहुत असर हुआ। राजमहल में उन्हें जरा भी शांति नहीं मिली।

बुराइयों को दूर करने के उपाय खोजने की उनकी इच्छा तीव्र होने लगी। अंत में एक शांत और नीरव रात को अपने राजमहल और सगे-संबंधियों को सोता छोड़कर वह जंगल की ओर चले।

इसके बाद जिन प्रश्नों ने उन्हें व्याकुल कर रखा था, उनके समाधान की खोज में भटकने लगे। समाधान की खोज में उन्हें बहुत समय लगा। उन्हें बहुत दुःख उठने पड़े। अंत में बहुत बरसों के बाद 'गया' में एक वट-वृक्ष के नीचे उन्हें 'सम्यक् ज्ञान' प्राप्त हुआ। वह बुद्ध हो गए। जिस पेड़ के नीचे वह उस दिन बैठे थे, वह बोधिवृक्ष के नाम से जाना गया।

बुद्ध ने अपने सिद्धांतों का प्रचार सारनाथ के ऋषिपत्तन नामक स्थान में शुरू किया। उन्होंने 'सद्जीवन' का रास्ता बताया। देवताओं के नाम पर की जाने वाली हिंसा और पशु-बलि की उन्होंने निंदा की। उनका कहना था कि इन बलिदानों के बजाय मनुष्य को क्रोध, द्वेष, घृणा और बुरे विचारों का बलिदान करना चाहिए।

जब बुद्ध का जन्म हुआ था, हिन्दुस्तान में पुराना वैदिक धर्म प्रचलित था। वह बहुत बदल गया था और अपने ऊँचेपन से बहुत नीचे गिर चुका था। ब्राह्मणों और पुरोहितों ने तरह-तरह के पूजा-पाठ, अंध-विश्वास और पाखंड चला दिए थे। जाति का बंधन बहुत अधिक कड़ा हो रहा था। आम लोग मंत्र-तंत्र और जादू-टोने से डरते थे। पुरोहितों ने जनता को अपनी मुट्ठी में कर लिया था और क्षत्रिय राजाओं की सत्ता को चुनौती देने लगे थे। उस समय क्षत्रिय और ब्राह्मणों में संघर्ष चल रहा था। महात्मा बुद्ध एक बड़े सुधारक के रूप में संसार के सामने आए। उन्होंने शुद्ध जीवन बिताने और भले काम करने पर जोर दिया और 'बौद्ध संघ' का संगठन किया।



16 ग्रंथों में पूर्ण चंद्रमा की तरह पूजने योग्य किसे बताया है?

- A. सिद्धार्थ को
- B. महारानी माया को
- C. गौतम बुद्ध को
- D. पृथ्वी को

17 गौतम बुद्ध वन में क्यों चले गए?

- A. लोगों की गरीबी देखकर ।
- B. रोगी - मृतक से भयभीत होकर ।
- C. शांति की अनंत खोज में ।
- D. बुराइयों को मिटाने की इच्छा से ।

18 उस पेड़ को क्या नाम दिया गया, जिसके नीचे सिद्धार्थ को ज्ञान प्राप्त हुआ था ?

- A. वटवृक्ष
- B. कल्पवृक्ष
- C. बोधिवृक्ष
- D. ज्ञानवृक्ष

19 इस कहानी में कई शब्दों में योजकचिह्नों का प्रयोग हुआ है, जैसे - दुःख - दर्द में 'और' योजकशब्द छिपा हुआ है। नीचे दिए गए शब्दों में योजकचिह्न वाला वह शब्द बताएँ जिसमें योजकशब्द 'की' छिपा है।

- A. रोग-शोक
- B. मंत्र-तंत्र
- C. जन्म-भूमि
- D. पूजा-पाठ

20 गौतम बुद्ध किस रूप में संसार में प्रसिद्ध हुए ?

- A. महान भक्त
- B. महान ऋषि
- C. महान सुधारक
- D. महान विचारक

21 'पुरोहितों ने जनता को अपनी मुट्ठी में कर लिया था।' इस मुहावरे का सही अर्थ क्या है?

- A. पुरोहित जनता के साथ-साथ थे ।
- B. जनता पुरोहितों के हाथ के नीचे थी ।
- C. पुरोहितों ने जनता को बंद कर लिया था ।
- D. जनता को पुरोहितों ने अपने वश में किया था ।

Correct Answer : (Option - A, B, C, D)

16. B महारानी माया को
17. D बुराइयों को मिटाने की इच्छा से
18. C बोधि वृक्ष
19. D पूजा-पाठ
20. C महान सुधारक
21. D जनता को पुरोहितों ने अपने वश में कर लिया था